# मंगलाचरण

णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं, णमो आयरियाणं
णमो उवज्झायाणं, णमो लोए सव्व साहूणं

मंगलं भगवान वीरो, मंगलं गौतम गणी
मंगलं कुंदकुंदार्यो, जैन धर्मोस्तु मंगलं

देव शास्त्र गुरु पांचो परमेष्ठी प्रभु विद्यमान जिन बीस,
कृत्रिम अकृत्रिम जिनगृह वंदू, सर्व सिद्ध जिनवर चौबीस

- श्री नित्य नियम पूजन, जैन पूजांजली

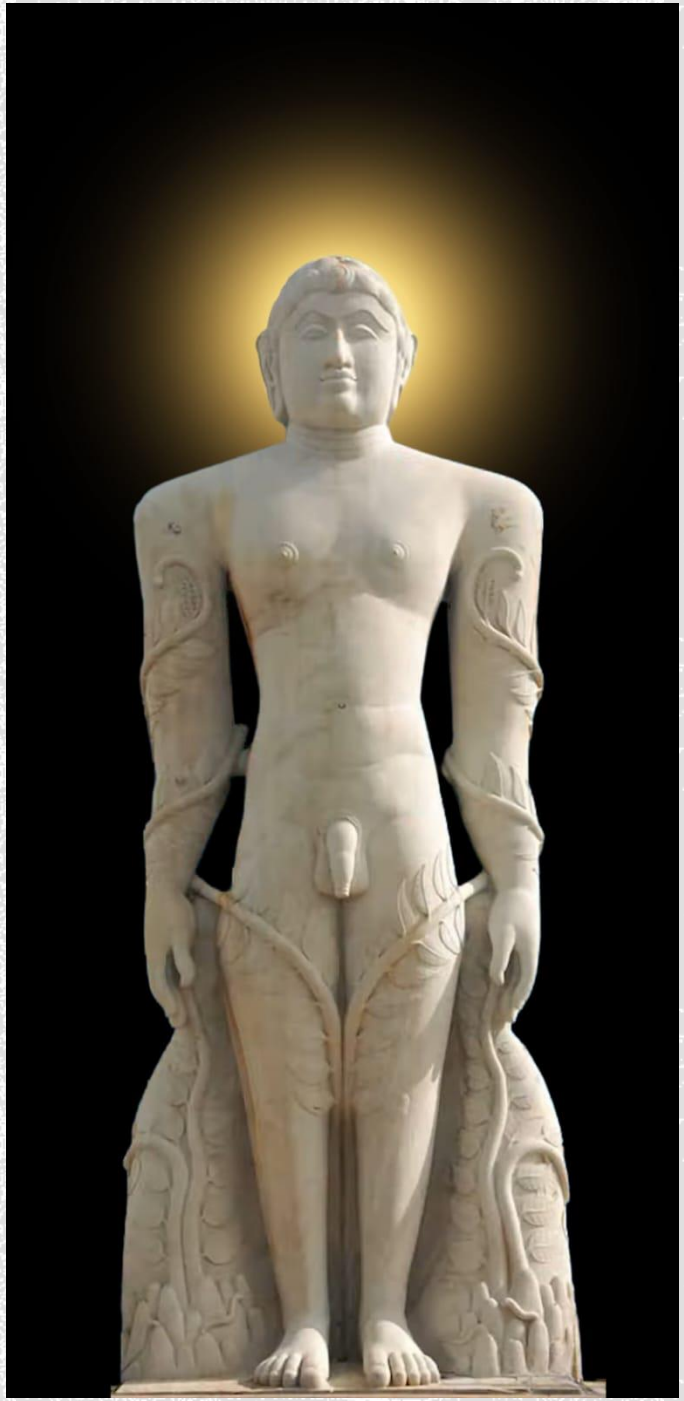

# वाजती गाजती रे ....
# प्रतिष्ठा आई सुवर्णपुरी में...

## VERSION 12

**Grand Finale**

तप
कल्याणक

जन्म
कल्याणक

ज्ञान
कल्याणक

गर्भ
कल्याणक

मोक्ष
कल्याणक

# आज का विषय

- १४० जिन भगवंतो की स्थापना
- श्री बाहुबली मुनिंद्र भगवान की प्रतिमा का महत्त्व
- प्रतिष्ठा में आना न भूलें

# भरत और ऐरावत क्षेत्र के चौबीस तीर्थंकर भगवान

२४ + २४

# विदेह क्षेत्र के बीस तीर्थंकर भगवान में से जंबू द्वीप के ४

२४ + २४ + ४

# सुदर्शन मेरू पर्वत के ४ वन में १६ जिनालय

२४ + २४ + ४ + १६

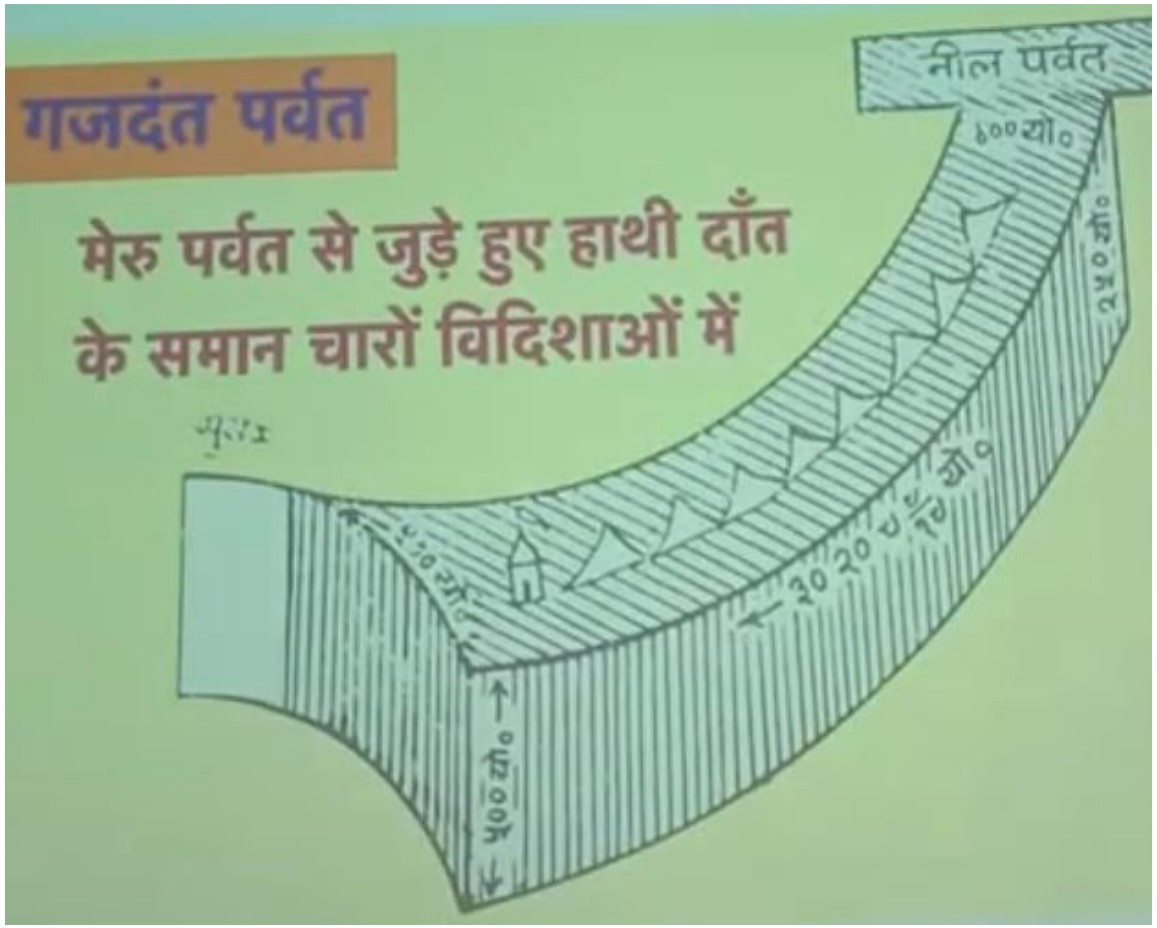


# गजदंत पर्वत के ४ जिनालय

२४ + २४ + ४ + १६ + ४

४

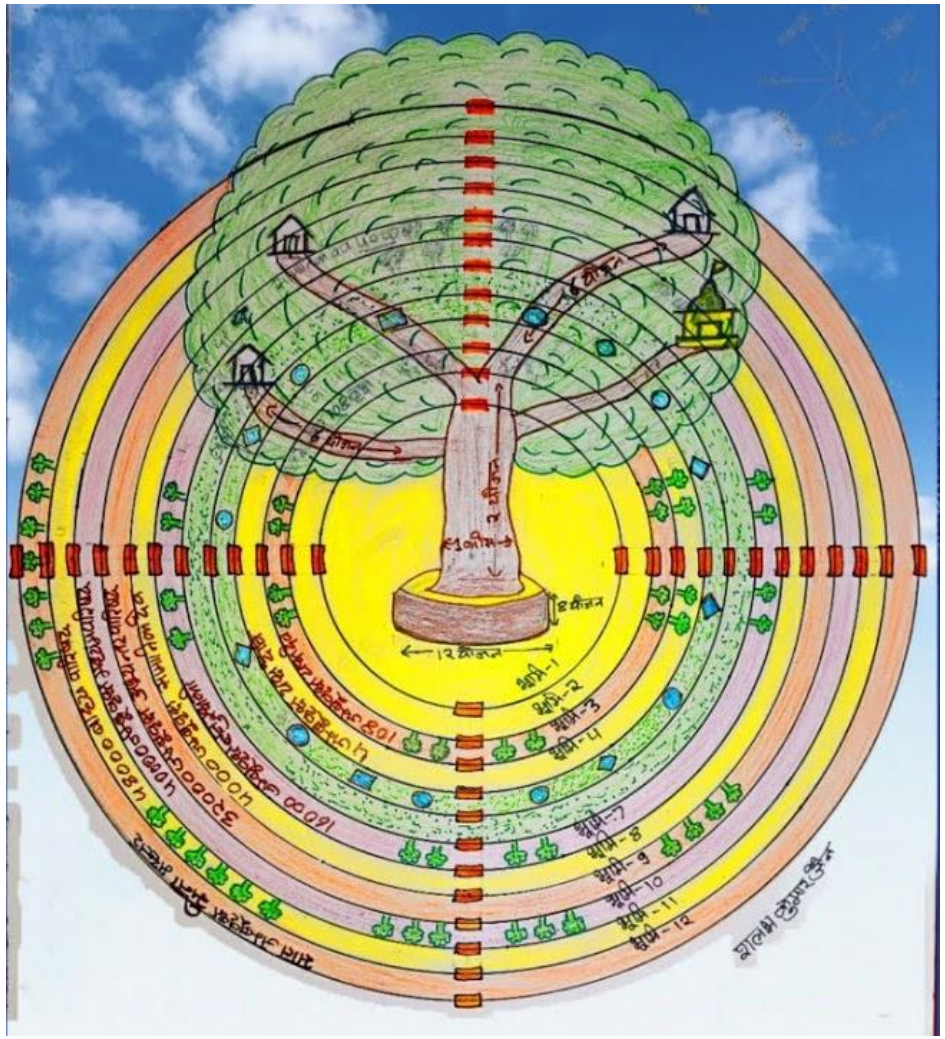

# जंबू और शाल्मलि वृक्ष के २ जिनालय

२४ + २४ + ४ + १६ + ४ + २

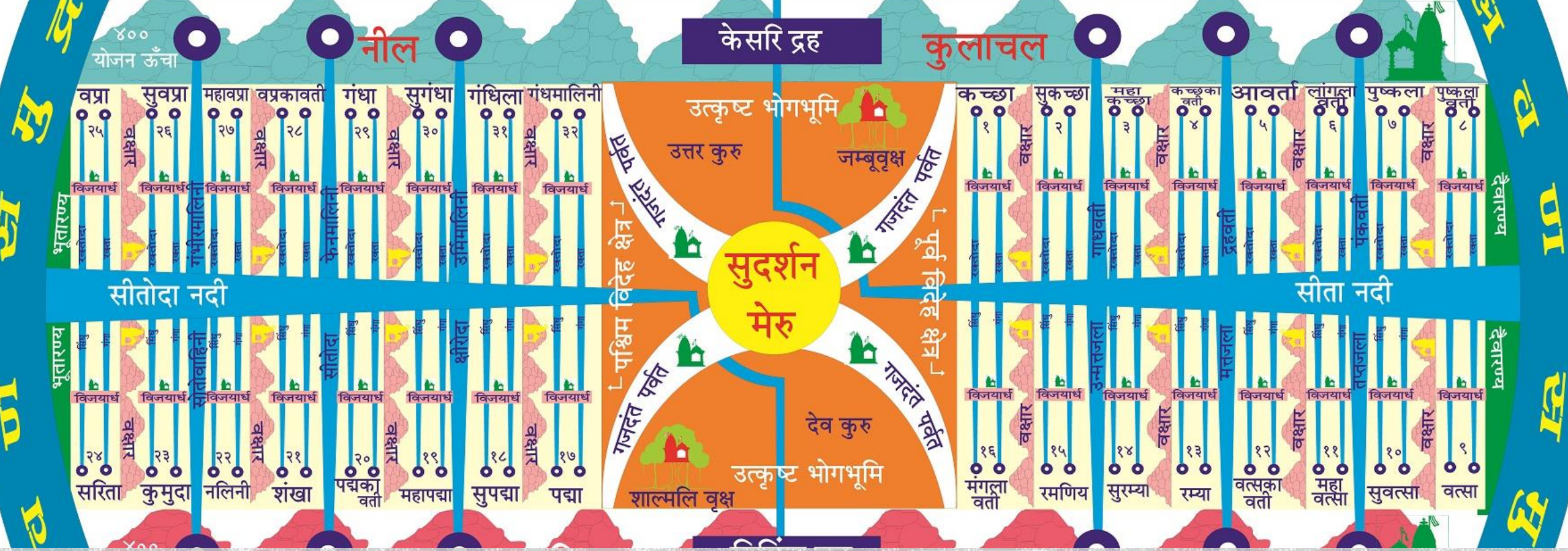


# वक्षार गिरि के १६ जिनालय

२४ + २४ + ४ + १६ + ४ + २ + १६

६

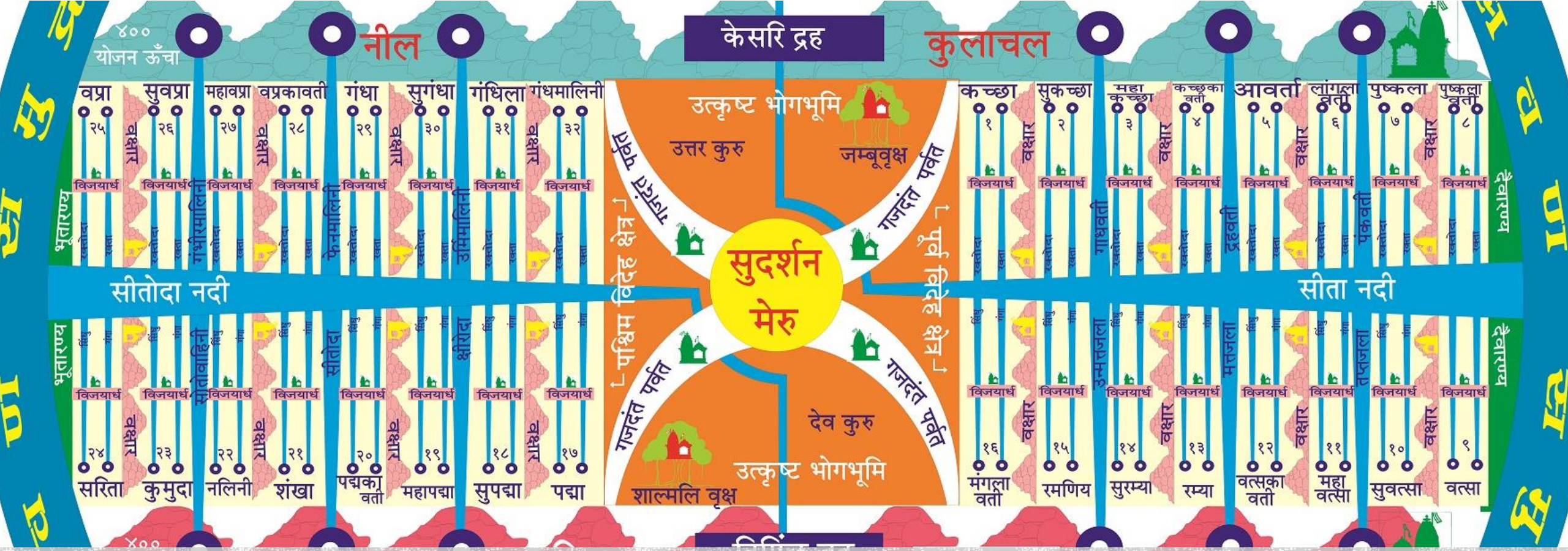


# विजयार्ध पर्वत के ३२ + १ + १ = ३४ जिनालय

२४ + २४ + ४ + १६ + ४ + २ + १६ + ३४

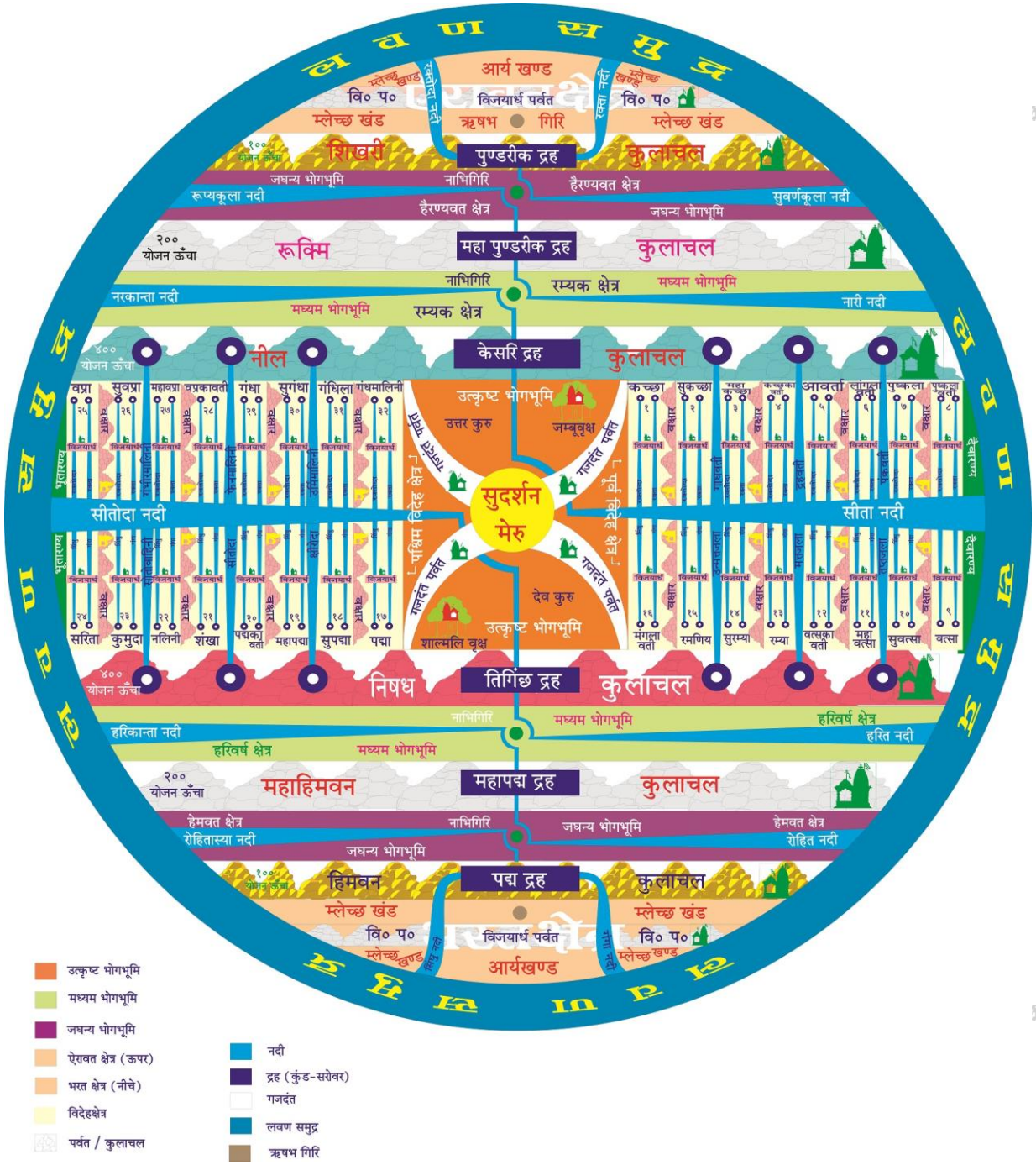


# कुलाचल पर्वत के ६ जिनालय

२४ + २४ + ४ + १६ + ४ + २ + १६ + ३४ + ६=१३०

# कुल प्रतिष्ठेय १४० भगवान

- जंबू द्वीप संबंधी = १३०
- श्री बाहुबली मुनिंद्र भगवान = १
- विधि नायक श्री आदिनाथ भगवान = १
- स्फटिक के श्री सीमंधर भगवान = १
- बाल ब्रह्मचारी तीर्थंकर भगवान = ४
- श्री सीमंधर भागवान = १
- श्री पार्श्वनाथ भागवान = १
- श्री सूर्यकिर्ति भगवान = १

- कुल = १४०

# श्री बाहुबली मुनिंद्र भगवान

- २१,००० टन गुलाबी पथ्थर, ३५,००० वर्ग फूट का ५० फूट ऊंचा पहाड
- निश्चलता सहित अडग, अचल ध्यान के प्रतिक ४१ फूट ऊंची श्री बाहुबली मुनिंद्र भगवान की प्रतिमा
- पूज्य गुरुदेवश्री के ९१ वर्ष का उद्योतक

# पंच कल्याणक प्रतिष्ठा में आना न भूलें

सुवर्णपुरी में ३८ वर्ष बाद पंच कल्याणक महोत्सव| एसा सुवर्ण अवसर अपने जीवन काल में फिर नहिं आयेगा

KAUN BANEGA
आत्मार्थी
KAUN BANEGA

प्र-१ श्री बाहुबली भगवान की कितने फूट ऊंची प्रतिमा सोनगढ में प्रतिष्ठि होने जा रही है?

A. १६

B. ३१

C. ४१

D. ९१

प्र-२ गजदंत पर्वत किसे कहते है?

A. हाथी के दांत से बने पर्वत को गजदंत पर्वत कहते है

B. हाथी के दांत पर स्थित पर्वत को गजदंत पर्वत कहते है

C. हाथी के दांत जैसे रंग के पर्वत को गजदंत पर्वत कहते है

D. हाथी के दांत जैसे आकर के पर्वत को गजदंत पर्वत कहते है

प्र-३ जंबू द्वीप के कुलाचल पर्वत पर जिनमंदिर किस दिशा में है?

A. पूर्व

B. पश्चिम

C. उत्तर

D. दक्षिण

प्र-४ जंबू द्वीप के विदेह क्षेत्र में विजयार्ध पर्वत कितने होते है?

A. १६

B. ३२

C. ३४

D. ५६

प्र-५ सोनगढ संकुल में वर्तमान में कितने भगवान विराजमान है?

A. ५८

B. १०८

C. १६८

D. ३०८

# सोनगढ संकुल में वर्तमान में कितने भगवान विराजमान है?

| मंदिर | भगवान | संख्या |
|---|---|---|
| मुख्य जिन मंदिर | श्री सीमंधर भगवान, श्री पद्मप्रभु भगवान, श्री शांतिनाथ भगवान, श्री नेमिनाथ भगवान + पंच धातु और स्फटिक के (११) + सिद्ध भगवान | १६ |
| समवशरण मंदिर | चतुर्मुख श्री सीमंधर भगवान + श्री कुंद कुंद आचार्य भगवान | ५ |
| मानस्तंभ | चतुर्मुख उपर-नीचे श्री सीमंधर भगवान | ८ |
| परमागम मंदिर | श्री महावीर भगवान, छोटे श्री महावीर भगवान और सूर्यकिर्ति भगवान | ३ |
| पंचमेरू – नंदिश्वर जिनालय | पंचमेरू (८०) + नंदिश्वर (५२) + श्री आदिनाथ भगवान + श्री महापद्म भगवान + श्री सूर्यकिर्ति भगवान + छोटे श्री अकृत्रिम भगवान | १३६ |
| | **कुल** | **१६८** |

# HOMEWORK OF LAST FRIDAY

# भक्ति के रंग,
# बच्चों के संग

# कल्याणक पहेचानिये

१.

झूमे आज नर नारी ऐसे हरशाए, मारो तन मनवा प्रभु के गुण गाये ...

# कल्याणक पहेचानिये

२.

भरत क्षेत्र की पुण्य धरा पर, कल्पतरु है आयो जी आयो ...

# कल्याणक पहेचानिये

३.

प्रथम सुगज ऐरावत देख्यो, मेघ समान सु-गरज घने ...

# जयकारा

- वीतरागी-सविज्ञ-हितोपदेशी अरहंत-सिद्ध भगवान की जय हो।
- अनेकांत वस्तु स्वरूप समजानेवाली जिनवाणी मात की जय हो।
- चलते फिरते सिद्ध कुंदकुंद आदि सभी मुनिराजों की जय हो।
- हमें भगवान आत्मा कहकर बुलानेवाले कहान गुरुदेव की जय हो।
- प्रशममूर्ति भगवतीमात की जय हो।
- सुवर्णपुरी के सभी पूज्यपदों की जय हो।
- सत्य सनातन दिगंबर जैन धर्म की जय हो।